

অনেক কথা বলার মাঝে
 লুকিয়ে আছে একটি কথা
 বলতে নারি সেই কথাটি
 তাই এ মুখর ব্যাকুলতা ॥

সেই কথাটি ঢাকার ছলে
 অনেক কথা যাই গো বলে
 ভাসি আমি নয়ন-জলে
 বলতে গিয়ে সেই বারতা ॥

অবকাশ দেবে কবে
 কবে সাহস পাব প্রাণে
 লজ্জা ভুলে সেই কথাটি
 বল্ব তোমায় কানে কানে ।

মনের বনে অনুরাগে
 কত কথার মুকুল জাগে
 সেই মুকুলের বুকে জাগাও
 ফুটে উঠার ব্যাকুলতা ॥

H.M.V. N 27003 ॥ শিল্পী : শ্রীমতী বীণা চৌধুরী ॥ আধুনিক ॥ তাল : কাহার্বা

II সা সা -পা মা | পা -া -পমা -জ্ঞা | জ্ঞা জ্ঞমা -পা মা | পা -া -া -া I
 অ নে ক্ ক থা ০ ০০ ০ ব লাং র মা ঘে ০ ০ ০

I পা পা ধা গা | সর্বা -র্সা -া -র্সা | গাঃ -ধঃ পা দা | শ্বা -া -া -া I
 লু কি য়ে আ ছে ০ ০ ০ ০ ০ এ ক্ টি ক থা ০ ০ ০

I পাঃ -ণঃ গা ধা | সর্বা -া -ধগা -ধপা | পগা -সর্বা র্বা গর্বা | সা -া -া -া I
 ব লু তে না রিং ০ ০ ০ ০ ০ সে ০ ০ ৩ ক থা ০ টি ০ ০ ০

I সাঃ-ং গা গা | ধা -ঁ পা ধপা I মা -গা -মা -পা | মপা -মা -জ্ঞা -ঁ II
 তা ই এ মু খ র ব্যা কুঁ ল ০ ০ ০ তা০ ০ ০ ০

II(মা -পা না সী | সী -রী -া -ধা | ধা গা -সী সঞ্জী | রী -া -া -া |
সে ই ক ধা টি ০ ০ ০ ঢা কা র ছ লে ০ ০ ০

I సీ రీ -సీ జీ | ర్జీ -ర్జీ -న్జీ -న్జీ -న్జీ | నీ -న్జీ నీ దా | పా -ా -ా -ా |
ఆ లె కు క థి० ०० ०० ० యాఇ ०० గో బ్ లె ० ० ०

I (সা-রা-মা-পা | পণা-দা-না-না | -পদা-পা-মা-জ্ঞা | -পা-না-না-না) } I
যা ই গো ব' লে০ ০ ০ ০ ০০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

I পদা পা -মা পা | মা -জ্জা -দা -া | পদপা মপমা জ্জমজ্জা ঝা | সা -া -া -া |
তা০ সি ০ আ মি ০ ০ ০ ন০০ য০০ ন০০ জ লে ০ ০ ০

I সা -সী সী রসী । ধণা -া -গধা -পমা I গা -মা মধা পা । মজ্জা -া -রজ্জা-সা II
ব' লু তে গিং য়ে০ ০ ০০ ০০ সে ই বাং র তা০ ০ ০০ ০

ନା ସା II { ସା -ଜ୍ଞା -ା -ା | -ା ପଦପା ମା ଜ୍ଞା I ଜ୍ଞସା -ା -ା -ା | -ା -ା ସା ନା I
ଅ ବ କା ० ० ० ଶ ଦେ୦୦ ବେ କ ବେ ० ० ० ० ० ० କ ବେ

I सा संज्ञा -ा ज्ञा | मा -ा मणा -धणा I धाः -पः -ा -ा | -ा -ा -ा -ा I
सा ह स् पा व० शो० ०० णे० ०० ०० ०० ०० ०० ००

I সাঃ -পঃ পা ॥ মা ॥ - পমা I গা -মগা রা সা । সা ॥ -ঃ -পঃ I
ল জ' জা ত্ত' লে ০ ০ ০০ সে ০ই ক থা টি ০ ০ ০

[ନ ନ]

○ ○

I ପଦା -ପମା ଜା ଜା | ଜରା -ସା ସା ସରା I ପ୍ରା -ଦା ସା -ା | -ା -ା ନା ସା} I
ବଲ୍ ୦୦ ବ ତୋ ମାୟ କା ନେୟ କା ୦ ନେ ୦ ୦ ୦ ଅ ବ

I { ମା ପା ପଣ ଗା | ଧଣା -ଧପା -ମପା -ମା I ମା -ମଣା ଗା ଧା | ପା -ା -ା -ା } I
ମ ନେ ରେ ବ ନେୟ ୦୦ ୦୦ ୦ ଅ ୦୦ ନୁ ରା ଗେ ୦ ୦ ୦

I ପା ପା -ମା ମା | ପା -ଧା -ଧର୍ମା -ଧର୍ମା I ରୀ ର୍ଭର୍ଭରୀ ସୀ ଧା | ସୀ -ା -ା -ା } I
କ ତ ୦ କ ଧା ୦ ୦୦ ୦ୟ ମୁ କୁ୦୦ ଲ ଜା ଗେ ୦ ୦ ୦

I { ପାଃ -ର୍ଷଃ ସୀ ର୍ଭର୍ଭରୀ | ଗା -ା -ା -ର୍ଷଣା I ଧଣା -ଧଣା ପମା ମା | ମପ୍ତୁ -ଧଣା -ର୍ଷା -ା } I
ସେ ଇ ମୁ କୁ୦୦ ଲେ ୦ ୦ ୦ୟ ବୁ୦ ୦୦ କେ ଜା ଗାୟ ୦୦ ୦ ଓ

I ପା ପାଃ -ର୍ଷଃ ସୀ | ଗା -ଧା ପା ଧପା I ମା -ଗା -ମା -ପା | ମପା -ମା -ଜା -ା II II
ଫୁ ଟେ ୦ ଉ ଠ ର ବ୍ୟ କୁ୦ ଲ ୦ ୦ ୦ ତା୦ ୦ ୦ ୦